1. टवर्गस्य उच्चारणस्थानं लिखत-

- A. ओष्ठ्यः
B. दन्त्यः
C. तालव्यः
D. मूर्धन्यः (D)

Explanation : ऋटुरषाणां मूर्धा इति सूत्रे टवर्गस्य उच्चारणस्थानं मूर्धा अस्ति। अर्थात् इस सूत्र से टवर्ग के अंतर्गत आने वाले सभी व्यंजनों (ट, ठ, ड, ढ, ण्) का उच्चारण स्थान मूर्धा होता है।

2. पवर्गस्य उच्चारणस्थानं लिखत-

- A. ओष्ठ्यः
B. दन्त्योष्ठः
C. तालव्यः
D. मूर्धन्यः (A)

Explanation : उपपुष्पधानीयानाम् औष्ठौ इति सूत्रे पवर्गस्य उच्चारणस्थानं ओष्ठ्यः अस्ति। अर्थात् पवर्ग (प, फ, ब, भ, म्) का उच्चारण स्थान ओष्ठ होता है।

3. 'प्रतीक्षा' शब्दस्य वर्ण विच्छेदं कुरुत-

- A. प्+र्+त्+ङ्+क्+ष्+आ
B. प्+र्+अ+त्+ई+क्+ष्+आ
C. प्+र्+अ+त्+ङ्+क्+ष्+आ
D. प्र+त+ई+क्+ष्+आ (B)

4. 'ड, ज, ण, न, म' व्यंजनाः सन्ति ?

- A. स्पर्शः
B. उष्मः
C. अंतःस्थः
D. नासिक्यः (D)

Explanation : 'ड, ज, ण, न, म' अनुनासिक वर्णाः सन्ति। तेषां उच्चारणस्थानं नासिका अस्ति। अर्थात् प्रत्येक वर्ण के पंचम वर्ण का उच्चारण नासिक से होता है।

5. माहेश्वरसूत्राणि संख्याः कति सन्ति?

- A. द्वादशः
B. त्रयोदशः
C. चतुर्दशः
D. दश (C)

Explanation : पाणिनि ने वर्णमाला को 14 सूत्रों में प्रस्तुत किया है। परंपरा के अनुसार माहेश्वर ने अपने नृत्य की समाप्ति पर जो 14 बार डमरु बजाया, उससे ये 14 (ध्वनियाँ) सूत्र पाणिनि को प्राप्त हुए।

6. स्वराः कति प्रकाराः सन्ति?

- A. ह्रस्व ; दीर्घः
B. ह्रस्व ; दीर्घः ; प्लुतः
C. ह्रस्व ; दीर्घः ; स्पर्शः
D. ह्रस्व ; दीर्घः ; मूर्धन्यः (B)

Explanation : जो (वर्ण) किसी अन्य (वर्ण) की सहायता के बिना ही बोले जाते हैं, उन्हें स्वर कहते हैं।

स्वर के तीन भेद होते हैं— ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत।

7. संस्कृत-वर्णमालायां कति व्यंजनाः सन्ति?

- A. 46
B. 44
C. 33
D. 25 (D)

Explanation : जिन वर्णों का उच्चारण स्वर वर्णों की सहायता के बिना नहीं किया जा सकता, उन्हें व्यञ्जन या हल कहते हैं।

स्वर रहित व्यञ्जन को लिखने के लिए वर्ण के

8. माहेश्वरसूत्रेषु प्रथम सूत्रं किम् अस्ति?

- A. अङ्गुष्
B. ऋलृक्
C. हल्
D. खर् (A)

9. शर् प्रत्याहारे के वर्णाः आगच्छति?

- A. श, ष, स्
B. श, ष, स, ह
C. श, ष, स, र
D. श, ष, स, क, प, य (A)

Explanation : 'शषसर्' इस माहेश्वर सूत्र में श, ष, स् वर्ण सम्मिलित हैं।

10. प्रयत्नः कतिविधः सन्ति?

- A. त्रिविधः
B. द्विविधः
C. चतुर्विधः
D. नवविधः (B)

Explanation : फेफड़े से निकली निःश्वास वायु को मुख, नासिका तथा कण्ठ आदि स्थानों से स्पर्श कराते हुए मनुष्य द्वारा अभीष्ट वर्णों के उच्चारणार्थ किए गए यत्न को प्रयत्न कहते हैं। प्रयत्न के दो भेद होते हैं— आभ्यन्तर तथा बाह्य।